लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष तृतीया 06:19 उपरांत चतुर्थी विक्रम संवत 2080

अमृत विचार

एक सम्पूर्ण अखबार

वर्ष 4, अंक 172, पृष्ठ 16, मूल्यः 6 रुपये

बरेली, सोमवार, 8 मई 2023

www.amritvichar.com

PAGE NO : 05 BOTTOM

वो कागज की कश्ती.. गजलों पर झूमे श्रोता

रिद्धिमा में कार्यक्रम प्रस्तुत करते कलाकार।

कार्यालय संवाददाता, बरेली

● एसआरएमएस रिद्धिमा में कारवां ए गजल में विद्यार्थियों को मिला गुरुओं का साथ

अमृत विचारः एसआरएमएस रिद्धिमा में रविवार को शाम कारवां ए गजल का आयोजन हुआ। इसमें गायन सीख रहे विद्यार्थियों को गुरुओं का साथ मिला। गजल सुन श्रोता झूमने पर मजबूर हो गए। कार्यक्रम का आरंभ गजल चुपके-चुपके रात दिन आंसू बहाना याद है... से हुआ। विद्यार्थियों ने 'तुम इतना जो मुस्कुरा रहे हो', 'होश वालों को खबर क्या' से समा बांध दिया।

'आपको देख कर देखता रह गया' गजल में विद्यार्थियों को रजनी अग्रवाल और गायन गुरु स्नेह आशीष दुबे का साथ मिला। डा.अनुज कुमार ने वो कागज की कश्ती वो बारिश का पानी' गाकर बचपन को याद किया। वंदना दुग्गल खन्ना, श्रबोनी भट्टाचार्य, इंदू परडल, आशीष दुबे, आयुषि मजूमदार आदि ने गजल प्रस्तुत की। एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देवमूर्ति, आशा मूर्ति, इंजीनियर सुभाष मेहरा, डा.प्रभाकर गुप्ता, डा.रजनी अग्रवाल, डा.रीता शर्मा आदि मौजूद रहे।